







ਗੁਰੂ ਮੰਤਰਾਲਾ  
MINISTRY OF  
HOME AFFAIRS

ਸਤਿਗੁਰ ਜਿਤੇ

Indian  
Cyber  
Crime  
Coordination  
Centre

ਸਹਵਾਰੀ ਕਰਵਾਵਣੇ • Working Together With Vigour



“ਇਹ ਦੋ ਪੁਲਿਸ਼ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ  
ਖੋਨਿਜ ਦੇਡੇਤ ਕਾਨਾ।  
ਆਮਾਕ ਪਾਰਚਲ ਦੋਲੇ  
ਸਾਪ ਆਕਾਦਾ.....”



! ਸੋਨਤੋਧੋਕਪੇ

ਆਪੇ \_\_\_\_\_  
ਦੋ ਡਿਜਿਟਲ ਅਈਸਟ  
ਦੱਸਕੇਂਦਾ ਰੇਪੇ ਫਾਸਾਵ  
ਦਾਡੇਧਾਕ ਆ।

ਆਲੋਪੇ ਬੋਤੋਧੋਕ ਆ, ਸੋਨਤੋਏ ਤਾਹੇਨਪੇ!

ਸੀਬੀਆਈ/ਪੁਲਿਸ/ਕਾਈ/ਈਡੀ/ਜਜ ਦੋ ਆਪੇ ਵੀਡਿਓ ਕਾਲ ਦੇ ਬਾਕੀ ਹਾਜ਼ੇਰ ਦਾਡੇਵਾਪੇ।

[www.cybercrime.gov.in](http://www.cybercrime.gov.in)

ਰੇ ਲਾਲਿਸ ਦੋ ਅੱਲ ਰਾਕਾਪ੍ਰ ਓਚੋਧੇ

ਬਾਡ  
ਖਾਨ



1930

ਜਾਇਸਤੀ ਬਾਡਾਯ ਲਾਗਿਤ ਦੇ CyberDost



ਪਾਂਝਾਕੋਪੇ।

विदेशों में शिक्षा प्राप्त कर वहीं बसने का क्रेज़्ज़ का असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है

पढ़ाई के लिए निवास जान वाल छात्रों का सम्बन्ध में बेतहाशा वृद्धि चिंता का विषय है। सबसे ज्यादा चिंता इस बात की है कि इससे देश के समक्ष युवा शक्ति के पलायन की समस्या बढ़ रही है। इससे उद्योग-धंधों के लिए श्रम शक्ति की कमी की समस्या भी आ सकती है इसके अलावा, देश की बहुमूल्य विदेशी मुद्रा विदेशों में जा रही है। यूक्रेन युद्ध में भारतीय छात्र फसे तो नेताओं को पता चला कि इतने सारे भारतीय छात्र मैडिकल की पढ़ाई करने विदेश जाते हैं। उसके बाद मुख्यमंत्रियों से लेकर प्रधानमंत्री तक ने हैरानी जताई। इस बात पर गौरव किया जाना चाहिए कि भारत से हरेक साल बड़ी संख्या में विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करने के अभियानिक, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया आदि देशों में बच्चों चले जाते हैं? यह सबाल कनाडा में जो भारत को लेकर हो रहा है उस रोशनी में पूछ जाना चाहिए। वहां जो कुछ भी घटित हो रहा है उससे पहले ही भारतीयों के साथ हिंसा के मामले सामने आने के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय अधिक जाग चूका है और अब विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा था कि इजराइल में फिलहाल करीब 18 हजार भारतीय जबकि वेस्ट बैंक में करीब एक दर्जन और गाजा में तीन से चार भारतीय रह रहे हैं। जब यहूँ छात्र किसी कारण से फंसते हैं तो भारत सरकार के 'एयर -लिफ्ट' का सहारा लेना पड़ता है जो परेशानी भर होता है। । बताया जाता है कि पिछले कुछ वर्षों से भारत से विदेशों में जाकर शिक्षा प्राप्त कर वहीं बसने की आकांक्षा का ऋजू बढ़ता जा रहा है। केन्द्र सरकार के अनुसार वर्ष 2016 और 2021 के बीच 26144 लाख भारतीय विद्यार्थी विदेशों में पढ़ने के लिए गए एसोसिएटेड चेम्बरर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) का अनुमान है कि वर्ष 2020 में 4.5 लाख भारतीय विद्यार्थी विदेशों में शिक्षा प्राप्त करने गए और उन्होंने 13.5 अरब डालर का खर्च किया। वर्ष 2022 में यह खर्च 24 अरब डालर यानि लगभग

2 लाख करोड़ रुपए रहा और रेडियर स्टॉर्टेंजी कन्स्लटेंट को एप्रिल के अनुसार 2024 तक यह खर्च 80 अब डालर यानि 7 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है, जब अनुमानित 20 लाख भारतीय विद्यार्थी विदेशों में पढ़ने के लिए जाएंगे। केन्द्रीय मंत्री बी मुरलीधरन ने 25 मार्च 2022 को लोकसभा को सूचित किया किया था कि वर्तमान में 13 लाख भारतीय विद्यार्थी विदेशों में पढ़ रहे हैं। यह संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। सरकार के इस वक्तव्य के अनुसार वर्ष 2021 में 4144 लाख विद्यार्थी विदेशों में पढ़ने गए एक अन्य सरकारी वक्तव्य के अनुसार नवंबर 30, 2022 तक विदेशों में पढ़ने जाने वाले विद्यार्थियों की संख्या 6146 लाख थी, यानि 45 प्रतिशत की वृद्धि। यदि राज्यवार ब्यौरा देखें तो वर्ष 2021 तक विदेशों में पढ़ने जाने वाले विद्यार्थियों में 12 प्रतिशत पंजाब से, 12 प्रतिशत से ही आधं प्रदेश से और 8 प्रतिशत गुजरात से थे। अगर युवाओं की कुल संख्या के अनुपात में देख जाए तो पंजाब से प्रत्येक हजार में से 7 युवा, आधं प्रदेश में प्रति हजार में 4 युवा और गुजरात से प्रति हजार में से कम से कम 2 युवा विदेशों में हर साल पढ़ने जा रहे हैं। यदि वर्ष 2016 से 2022 के संचयी संख्या ले तो स्थिति काफी भयावह दिखाई देती है। पंजाब में यह संख्या 50 प्रति हजार, आधं प्रदेश में 30 प्रति हजार और गुजरात में 14 प्रति हजार है। विदेशों में पढ़ने जाने वाले विद्यार्थियों की संख्या में बेतहासा वृद्धि के कारण देश की बहुमूल्य विदेशी मुद्रा विदेशों में जा रही है। ऐसे देखने में आ रहा है कि उनके माता-पिता अपनी परिसंपत्तियों को बेचकर इन युवाओं को विदेशों में पढ़ने के लिए भेज रहे हैं। एक समय था कि विदेशों में रह रहे भारतीयों के माध्यम से पंजाब के गांवों में बड़ी मात्रा में विदेशों से धन आता था। विदेशों में पढ़ाई के इस क्रेज के चलते यह प्रक्रिया उल्ट हो गई है, यानि अब विदेशों से धन आने के बजाय विदेशों को धन भेजा जा रहा है। ऐसे में जब वर्ष 2024 के अंत तक विदेशों में पढ़ने

जाने वाले विद्यार्थियों की संख्या 20 लाख और उनके द्वारा खर्च की जाने वाली राशि 80 अरब डालर पहुंच जाएगी, तो यह देश के लिए अत्यंत संकटकारी स्थिति का कारण बनेगा। गैरतलब है कि युवाओं का शिक्षा के लिए विदेशों में प्रवेश, देश में शिक्षा सुविधाओं की कमी की वजह से नहीं है। वास्तव में देश में पिछले दो-तीन दशकों में शिक्षा के क्षेत्र में भारी प्राप्ति हुई है। यदि उच्च शिक्षा में विद्यार्थियों का प्रवेश देखें तो 1990-91 में जहां मात्र 49.2 लाख विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश लिया, यह संख्या वर्ष 2020-21 में 414 लाख तक पहुंच गई। मोटेटौर पर उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या पिछले 30 वर्षों में 10 गुण से भी ज्यादा हो चुकी है। यदि उच्च शिक्षा संस्थानों की बात की जाए तो देखते हैं कि वर्ष 2021 में देश में 1113 विश्वविद्यालय और समकक्ष संस्थान, 43796 महाविद्यालय और अन्य स्वतंत्र संस्थान 11296 थे। इसी वर्ष देश में उच्च शिक्षा संस्थानों में 15151 लाख शिक्षक कार्यरत थे। देश में कई विश्वविद्यालय केन्द्रीय विश्वविद्यालय हैं और कई अन्य राज्य स्तरीय विश्वविद्यालय हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में निजी विश्वविद्यालय हैं और कई 'विश्वविद्यालय सम' यानि 'डीम्ड विश्वविद्यालय' हैं। देश में कई विश्वस्तरीय प्रबंधन एवं इंजीनियरिंग संस्थान हैं, जिनमें शिक्षा प्राप्त विद्यार्थी वैश्विक कंपनियों में उच्च पदों पर आसीन हैं। जहां तक शिक्षा संस्थानों में प्रवेश के लिए फीस का सवाल है, अधिकांश भारतीय शिक्षा संस्थानों में फीस विदेशी संस्थानों में फीस से कहीं कम है और जिन विदेशी संस्थानों में भारतीय युवा प्रवेश ले रहे हैं, उनमें से अधिकांश का स्तर अत्यंत नीचा है। तो सवाल उठता है कि भारी भरकम राशि खर्च कर भारत के युवा विदेशी शिक्षा संस्थानों में प्रवेश क्यों लेते हैं। इसका सीधा उत्तर यह है कि विदेशों में जाने वाले अधिकांश विद्यार्थी उच्च स्तरीय शिक्षा में प्रवेश लेकर वास्तव में कोई उच्च स्तरीय डिग्री प्राप्त करने के लिए जाते हैं, ऐसा नहीं है। आस्ट्रेलिया, कनाडा, और यहां तक कि इंग्लैण्ड समेत अन्य यूरोपीय देशों में जाने वाले भारतीय विद्यार्थियों का वास्तविक लक्ष्य शिक्षा प्राप्त करना नहीं, बल्कि वह रोजगार प्राप्त करना है। लेकिन भारतीय युवा यह समझने के लिए तैयार नहीं है कि इन देशों में भी रोजगार की भारी कमी है। कई देशों में वहां के स्थानीय लोग भारतीय एवं अन्य देशों से अनेक वाले युवाओं के खिलाफ हिंसा की वारदाते भी देखने को मिल रही हैं। देश से जाने वाले अधिकांश युवा विद्यार्थी वहां रोजगार प्राप्त करने में असफल हो रहे हैं और उन्हें स्वदेश वापिस लौटना पड़त है, जिसके कारण वे भारी कुंगा का भी शिकार हो रहे हैं हैं चूंकि व्यक्तिगत तौर पर विदेशों में जाने वाले युवा विद्यार्थी, पूर्व में विदेशों में जाने वाले भारतीयों की सफलता की गाथाओं से प्रभावित होकर विदेशों की ओर रुख कर रहे हैं। लेकिन वे यह समझ नहीं पा रहे कि आज कनाडा, आस्ट्रेलिया और यूरोपीय देशों में, जहां वे शिक्षा संस्थानों में प्रवेश ले रहे हैं, वे शिक्षा संस्थान स्वयं के आस्तित्व को बचाने हेतु भारतीय विद्यार्थियों को आसानी से अपनी शिक्षण संस्थानों में प्रवेश दे रहे हैं। यही नहीं भारतीय और अन्य देशों के अति इच्छुक विद्यार्थियों से भारी फीस ऐंठने हेतु शिक्षा की कई दुकानें भी खुल रही हैं, जिनका वास्तविक शिक्षा से कोई संरोक्त नहीं है। ऐसे में केन्द्र और राज्य सरकारों को विदेशों में शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक युवाओं को इस हेतु वास्तविकता से अवगत कराने के लिए विशेष प्रयास करने की जरूरत है, ताकि वे विदेशों में जाकर अपने माता-पिता की गाढ़ी कमाइ के बूँ ही न गवा दें। गैरतलब है कि पिछले लगभग दो दशकों से भारत के कई नागरिक एजेंटों के माध्यम से विदेशों में, खास तौर पर खाड़ी के देशों में रोजगार की तलाश में गए और वहां उन्हें कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ा। इन युवाओं के पासपोर्ट तक एजेंटों के द्वारा कब्जा लिए जाते थे और उनका तरह-तरह से शोषण भी किया जाता था।

## देश में मिलावट का कारोबार चरम पर

- राकेश दुबे

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने 'ईंट राहट इंडिया' अभियान के माध्यम से सभी भारतीयों के लिए सुरक्षित, स्वस्थ और पोषक भोजन सुनिश्चित करने के लिए देश की खाद्य प्रणाली को बदलने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास शुरू किया है। खाने-पीने के शौकीन अथवा महानगरों में नौकरी आदि के चलते कम मूल्य लागत वाला भोजन तत्त्वाने वाले भारतीयों के लिए यह अनिवार्य हो जाता है कि स्वाद एवं सस्ते के चक्रवर्त में न पड़कर स्वच्छता मानकों एवं साफ-सफाई को अपनाएं सेहत के दृष्टिगत स्वच्छ एवं पौष्टिक भोजन को अपनाएं प्राथमिकता में रखें। भारत में बढ़ती आवादी के कारण और मांग एवं आपूर्ति में अंतर के चलते प्रायः खाद्य वस्तुओं की किङ्घत और दामों में बढ़ावती होती ही रहत है और इसी किङ्घत का फायदा जमाखोरों की टोलियाँ उठाने से नहीं चक्रती हैं, तो वहाँ घटिया एवं मिलावर्टी चीजें बेचने वालों की पो-बारह हो जाती है। भारत में इन-

दोनों तिरुमला तिरुपति देवस्थानम द्वारा अद्भुतालौओं के दिए जाने वाले लड्डुओं को मिलावटी देसी धी से बनाने से भक्तों की धार्मिक आस्था आहत होने का मुद्दा चर्चा में है। देवस्थानम को देसी धी की आपूर्तिकर्ता कर्पनी एआर डेयरी फूड प्राइवेट लिमिटेड से खाद्य नियामक ने पूछा है कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक विनियम 2011 के प्रावधानों के उल्लंघन के लिए उसका केंद्रीय लाइसेंस निर्लिखित कर्यों न कर दिया जाए? आज भारत में मिलावट का कारोबार उस स्तर को पार कर चुका है जहां खाद्य उत्पादों में सर्से और घटिया पदार्थ मिलाकर बेईमान व्यापारी व विक्रेता सामान की मात्रा को बढ़ा देते हैं और भारीयों की जान की कीमत पर भारी मुनाफा कमाते हैं ऐसा अनुमान है कि 60 करोड़ लोग अर्थात् विश्व में लगभग 10 में से 1 व्यक्ति हर वर्ष दूषित भोजन खाने के कारण बीमार पड़ते हैं तथा 420000 लोग मरते हैं भारत में दूध और डेयरी उत्पाद, वसा और तेल, फल और सब्जियां, अनाज, कॉफी, चाय, शहद और मसाले

सहित लगभग हर खाद्य सामग्री में मिलावट का प्रतिशत अत्यधिक बढ़ गया है और स्वच्छता मानकों की बुरी तरह से अनदेखी हो रही है। इतना ही नहीं, भारत के कई क्षेत्रों से ऐसे भी वीडियो की सोशल मीडिया में भरमर हैं जिसमें समोसे, चटपटा, ब्रेड, कुलफी, प्लास्टिक के चाबल और गुलाब जामुन से भरी कड़ाही में पेशाब करते युवक और गैलगापे बाले जलजीरा पानी से ही हाथ मुंह धाने, गंदे हाथ व पैरों से आलू और आटा गूंथने जैसे कृत्य द्वारा गंदी से परिपूर्ण खाद्य सामग्री आम लोगों को परोसी जा रही है।

ऐसे कृत्य न केवल निंदनीय हैं अपितु दोषी लोगों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग भी करते हैं। सवाल उठता है कि आखिर ऐसी गतिविधियों में संति सलाहकारक तत्काल जेल की सलाखों के पीछे क्यों नहीं ढाला जाता है? विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हानिकारक बैक्टीरिया, वायरस, पर्जीवी या रासायनिक पदार्थों से युक्त असुरक्षित भोजन 200 से अधिक बीमारियों का

कारण बनता है जिसमें डायरिया से लेकर कैंसर तक शामिल हैं। निम्न और मध्यम आय वाले देशों में असुरक्षित भोजन के कारण चिकित्सा व्यय में हर साल 110 बिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान होता है संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन के महानिदेशक डा. कू. डोंग्यु के अनुसार, 'हमें अपने भोजन की पहचान गुणवत्ता और सुरक्षा पर एक आम समझ की जरूरत है लेकिन भारत में दूध में पानी मिलाने, नकली दूध, घी में केमिकल, दाल में सिंथेटिक रंग और वैक्स कोटिंग, सब्जियों में हॉर्मोन के इंजेक्शन तथा सिंथेटिक रंग, हर्बल उत्पादों में एलोपैथिक दवाइयां तथा केमिकल्स, सौंदर्य प्रसाधनों में और देसी घी बनाने में पशुओं की चर्ची होने की जानकारी किसी से छुपी हुई नहीं है। खाद्य अपमिश्रण से आखों की रोशनी जाना, हृदय संबंधित रोग, लीवर खराब होना, कुष्ठ रोग, आहार तंत्र के रोग, पक्षाभात वैक्सर जैसे असाध्य रोग हो सकते हैं।'

दुर्गापूजा में लाइट व्यवस्था होगी दुल्हस्त जोर शेर से  
चलाई जा रही है स्वच्छता अभियान, नगर होगा चकाचक

राजकुमार भगत पाकुड़। दुर्गा पूजा विजयदशमी के महेनजर नगर पंचायत पाकुड़ की ओर से साफ सफाई व्यवस्था, सौंदर्यकरण की स्थिति क्या है, नगर पंचायत की ओर से आप व्यक्तियों के लिए क्या सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है? पूजा पंडालों के आस पास कोई खास व्यवस्था की जा रही है।

इस संबंध में नगर परिषद के प्रशासक राजकमल मिश्रा ने बताया कि दुर्गा पूजा के महेनजर नगर पंचायत के सभी वार्डों में साफ साफ-सफाई की विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिस पोल पर लाइट खराब है उसे दुरुस्त किया जा रहा है।

के पंडाल बने हैं। प्रत्येक बिहारी खंभा में तिरंगा रंग के टूनिबल्प से नगर को सजाया जा रहा है। पूजा पंडाल के पास में नगर परिषद की ओर से जल की व्यवस्था की जा रही है। एक प्रश्न के उत्तर में उड़ाने कहा कि नगर परिषद पाकुड़ की

कया जा रहा है अगर कहना का शिकायत है तो वह अपनी शिकायत टोल फी नंबर पर कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि देर शाम पाकुड़ के सभी पूजा समिति के अध्यक्षों की बैठक रखी गई है उनके सुझाव मांगे गए हैं। उनके सुझाव पर अमल किया जाएगा। जब उनसे पूछा गया कि नगर पालिका से 100 मीटर दूरी पर पोस्ट ऑफिस रोड की लगभग सभी लाइट बंद रहता है इस पर उन्होंने कहा कि फटिंग की कुछ कमी है फिर भी हम इसे दुरुस्त करने की व्यवस्था करेंगे। जहां रास्ता खराब हो उसकी मरम्मत किया जाएगा। भक्तों को त्रिपुरा देवी देवी देवी

## बिना चलान के पत्थर लदे एक ट्रक जब्त

हिरण्यपुर (पाकुड़) जिला टास्क फोर्स टीम ने शुक्रवार को औंचक छापेमारी कर मानसिंहपुर में बिना माइनिंग चालान के पथर लदे एक ट्रक को पकड़ा। वही कई क्रशरों का भी निरीक्षण किया गया। टीम में अनुमंडल की पदाधिकारी साइमन मरांडी, अंचलाधिकारी मनोज कुमार व खनन निरीक्षक नवीन कुजूर भी शामिल थे। पथर लदे ट्रक संख्या डल्लूबी 59 डी 1532 मानसिंहपुर स्थित क्रशर से पथर लोडकर कशिला पाकुड़ की ओर जा रहा था कि एसडीओ ने जांच के लिए वाहन को रोका। इस दौरान ट्रक चालक मौके से भाग निकला। ट्रक में करीब 850 सीएफटी पथर चिप्स पाया गया था, पर ट्रक में लोड पथर से सम्बंधित किसी प्रकार की माइनिंग चालान व अन्य कागजात नहीं पाया गया। इसको लेकर एसडीओ ने तुरन्त वाहन को जब्त कर लिया। इसके बाद एसडीओ ने मानसिंहपुर स्थित हाबु शेख व भंडारों में संजय सिंह का क्रशर का जांच किया गया। जहां क्रशर से सम्बंधित कागजातों की जांच की गई। वही इसको लेकर खनन निरीक्षक के द्वारा ट्रक चालक व मालिक के ऊपर थाना में मामला दर्ज कराने की प्रक्रिया किया जा रहा था। अंचलाधिकारी ने बताया कि अवैध रूप से ले जा रहे पथर लदे ट्रक को पकड़ा गया है। आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। बहरहाल एसडीओ की इस औंचक कार्रवाई से पथर औद्योगिक क्षेत्र में खलबली मची हुई है।

**गुरु गीती गोदावां ता दर्शक हैः गुरु**

**ਪਾਕੁਡ ਨਾ ਸਿਖਾਇਤ ਕਿਥੋਂ ਆਈ ਹੈ?**

ਪਾਕੁਡ। ਦੁਆਪ੍ਰਾਜਾ ਮਹੋਤਸਵ ਕੇ ਮਫੇਜਰ ਨਗਰ ਪਰਿ਷ਦ, ਪਾਕੁਡ ਨੇ ਨਾਗਰਿਕਾਂ ਕੀ ਸੁਵਿਧਾਓਂ ਕੀ ਧਾਨ ਮੈਂ ਰਖਾਂਦੇ ਹੋਏ ਇੱਕ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਨਿਵਾਰਣ ਸੰਪਰਕ ਨੰਬਰ ਜਾਰੀ ਕਿਯਾ ਹੈ। ਦੁਆਪ੍ਰਾਜਾ ਕੇ ਦੌਰਾਨ ਕਿਸੀ ਭੀ ਪ੍ਰਕਾਰ ਕੀ ਅਸੁਵਿਧਾ, ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਯਾਂ ਸੁਆਵ ਕੇ ਲਿਏ ਆਮ ਜਨ 7903236557 ਪਰ ਨੰਬਰ ਪਰ ਸੰਪਰਕ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਯਹ ਨੰਬਰ ਦੁਆਪ੍ਰਾਜਾ ਕੇ ਦੌਰਾਨ ਨਗਰ ਪਰਿ਷ਦ ਦੇ ਸੰਬੰਧਿਤ ਸਭੀ ਪ੍ਰਕਾਰ ਕੀ ਸ਼ਿਕਾਇਤਾਂ ਦੇ ਨਿਵਾਰਣ ਕੇ ਲਿਏ ਸਕਿਯ ਰਹੇਗਾ। ਨਗਰ ਪਰਿ਷ਦ ਦੇ ਅਧਿਕਾਰਿਯਾਂ ਦੀਆਂ ਨਾਗਰਿਕਾਂ ਦੀਆਂ ਸਮਸ਼ਾਓਂ ਕਾ ਸੀਵੀ ਸਮਾਧਾਨ ਕਰਨੇ ਕਾ ਪ੍ਰਯਾਸ ਕਿਯਾ ਜਾਏਗਾ। ਸਾਰੀ ਨਗਰਵਾਸੀਯਾਂ ਦੇ ਅਨੁਰੋਧ ਹੈ ਕਿ ਵਹ ਇਸ ਸੇਵਾ ਕਾ ਸਦੁਪਯੋਗ ਕਰੋਂ ਔਰ ਅਪਨੇ ਨਗਰ ਕੇਂਦਰ ਮੈਂ ਕਿਸੀ ਭੀ ਸਮਸ਼ਾ ਕੀ ਜਾਨਕਾਰੀ ਸੀਵੀ ਨਗਰ ਪਰਿ਷ਦ ਕੀ ਦੇ, ਜਿਸਸੇ ਤੌਹਾਨੂੰ ਕਾ ਸੰਚਾਲਨ ਸੰਸਥਾ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਜਾ ਸਕੇ।

**207 उपभोक्ताओं को दिया गया बिजली  
बिल माफी का प्रमाण पत्र**

ते बाई कराइ उन जारी का नाम करा प्रान्तिक भारतीय तुरंग ने जारी का अबकी बार झारखंड में गटबंधन सरकार को उड़ाड़ कर फेकने मन बना लिया है। भाजपा नेता बाबूधन मुर्मू ने ग्रामीणों का जनसमस्या सुनकर संबोधन में कहा लिंग्वापाड़ा विद्यानसभा क्षेत्र में अबकी बार भारतीय जनता पार्टी को जिताएं, भाजपा पार्टी आप सबका हार दुख तकलीफ में साथ खड़ा रहेगा। मौके पर विचामहल एसटी मोर्चा अध्यक्ष बिधान मुर्मू, बीचामहल मंडल उपाध्यक्ष कृष्णा मदैया, भाजपा सक्रिय कार्यकर्ता शिव मुर्मू लिंग्वापाड़ा मंडल उपाध्यक्ष गर्मेशोल टुड़ू, एसटी मोर्चा जिला महामंत्री शिव प्रसाद पहाड़िया मतल मर्म छोटा मतल मर्म बाबूधन मदैया अनिल मदैया गोपाल

संताल एक्सप्रेस संवाददाता  
पाकुड़। जिले के पाकुड़िया प्रखण्ड के लागुम पंचायत में 200 यूनिट तक बिजली खपत करने वाले 207 उपभोक्ताओं को मुख्यमंत्री ऊर्जा खुशहाली योजना के तहत प्रमाण पत्र वितरण किया गया। जिसका आयोजन द्वारगंवंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड द्वारा किया गया। सौके पर मन्दिरप



—६—

दो छाई लदा वाहन किया जब  
लिट्टीपाड़ा (पाकुड़)थाना क्षेत्र के लिट्टीपाड़ा हिरणपुर मुख्य सड़क नवाडीह के समीप गुरुवार देर रात को पुलिस ने दो छाई लदा वाहन को जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार पश्चिम बंगाल के फरक्का एनटीपीसी से एक हाइवा एवं एक ट्रक में छाई लोड कर लिट्टीपाड़ा के रस्ते देवघर जा रहा था कि नवाडीह के समीप पुलिस ने दोनों वाहनों को जांच के लिए रोका। जांच के क्रम में चालक द्वारा पर्याप्त कागजात नहीं दिखाए जाने के कारण पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया। वही थाना प्रभारी रंजन कुमार ने बताया छाई लदा दो ओभरलोड वाहन को जब्त किया गया। डाइटीओ को लिखित सचना दे दिया गया। आगे करवाई किया जा रहा है।

योग, जान प्रसादन, ऊद समस्तजा या सभापाठी जान द स्तान विगता विधायक प्रे. स्टीफन मरांडी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बिजली बिल माफी योजना की शुरूआत की है। इससे बिजली उपभोक्ताओं को काफी राहत मिली है। इस योजना से राज्य के लाखों गरीब परिवारों का फायदा होगा। मुख्यमंत्री मंदिया सम्मान? योजना, अबुआ आवास योजना, 200 युनिट मुफ्त बिजली, कृषि लोन माफी योजना, साकिती? बाईं फुट किशोरी समृद्धि योजना, पेट्रोल सब्सिडी योजना इत्यादि ताकि हमारे ज्ञारखने के गरीब, वर्चित लोग इन सब योजनाओं? का लाभ लेकर अपने जीवन स्तर में सुधार ला रहे हैं। प्रत्येक? पंचायत में शिविर का आयोजन भी करवा रही है। सरकार का उद्देश्य घर-घर तक लाभ पहुँचाना तथा योजनाओं से आच्छादित करना है। मैंके पर पंचायत की मुखिया आदि उपस्थित थे।



## अवैध कोयला फ्लाई पर पुलिस की कार्रवाई, चार टन कोयला जप्त



**गोड़ा।** पुलिस कमान अभियान नेतृत्वाते के निर्देशानुसार ललमटिया थाना प्रभागी मुकुश कुमार राजत व ईसीएल के सी आईएसएफ ड्राग लागतार कोयला का भांडारण व परिषद के खिलाफ छापेमारी जारी है। इस बात से कोयला तस्करों में दहशत का मौजूद बना हुआ है। वहीं पुलिस ड्राग की गई छापेमारी में करीब चार टन कोयला जब्त किया। इस कार्रवाई की बाद कुछ कोयला तस्कर भी सतर्क हो गए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक गुरुवार को ललमटिया थाना प्रभागी मुकुश कुमार राजत व ईसीएल के पांच साफकाई एवं उत्कर्ष पूर्ण माहौल का बातावरण है। लोग अपने अपने तरीके से दुर्गा पूजा मनाने के तैयारी में जुटे हुए हैं।



